



भारत सरकार  
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय  
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 12 मई, 2026

जारी करने का समय: 1345 घंटे

- विषय:** (i) दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में इस सप्ताह के अंत तक दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- (ii) अगले 6-7 दिनों के दौरान पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर और कुछ अलग-थलग क्षेत्रों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान और उससे सटे मध्य भारत, गुजरात और महाराष्ट्र में भी अगले 4-5 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- (iii) अगले 4-5 दिनों के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

**आज, 12 मई, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:**

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ, असम, हिमाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, छत्तीसगढ़, विदर्भ, मराठवाड़ा, हरियाणा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कोंकण, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, पंजाब, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज के साथ बारिश हुई।
- ❖ पंजाब में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिमी राजस्थान और गुजरात क्षेत्र में छिटपुट स्थानों पर लू से लेकर भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी राजस्थान में छिटपुट स्थानों पर गर्म रातें रहीं।

**पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):**

- ❖ अधिकतम तापमान (11-05-2026 तक): कल, राजस्थान, गुजरात, मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान 42°C और उससे अधिक रहा; मध्य महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, कर्नाटक, कोंकण और गोवा, तेलंगाना और पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान 34-42°C के बीच रहा, जबकि देश के शेष हिस्सों में यह 34°C से कम रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.3°C बाड़मेर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।
- ❖ अधिकतम तापमान में अंतर (11-05-2026 तक): कल, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। पूर्वी राजस्थान, विदर्भ, गोवा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा। देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य था।

- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात राज्य, पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, विदर्भ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या लगभग सामान्य रहा।

### मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के कुछ हिस्सों में इस सप्ताह के अंत तक दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव क्षेत्र आज, 12 मई 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समय) इसी क्षेत्र में बना रहा, और इससे संबंधित चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से 4.5 किमी ऊपर तक फैला हुआ था। अगले 48 घंटों में इसके और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी हवाओं में एक गर्त निम्न दबाव क्षेत्र के केंद्र से दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर मराठवाड़ा तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैला हुआ है।
- ❖ पश्चिमी विक्षोभ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से मणिपुर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ अक्षांश 22°N के उत्तर में लगभग 93°E देशांतर के अनुदिश एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ उत्तर मध्य उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और आसपास के इलाकों में मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ 15 मई 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

### उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

#### उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और उत्तराखंड में 12 से 14 मई के दौरान और हिमाचल प्रदेश में 12 से 16 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 से 14 मई के दौरान; उत्तर प्रदेश में 12 और 13 मई को और राजस्थान में 12 मई को भी छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में 12 और 13 मई को और हरियाणा और चंडीगढ़ में 12 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 12 मई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, उत्तर प्रदेश में और 12 और 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

## पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 12 से 16 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 13 से 18 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 12 से 18 मई के दौरान असम में, 14 से 17 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। वहीं, 13 से 17 मई के दौरान असम और मेघालय में, और 17 और 18 मई को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

## पूर्वी भारत:

- ❖ झारखंड और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 12 से 18 मई के दौरान; बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 से 16 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर तक हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-60 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ बिहार में 13 मई को और झारखंड में 15 और 16 मई को गरज के साथ तेज हवाएं (50-60 किमी प्रति घंटा की गति से 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।
- ❖ अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में 12 से 18 मई के दौरान और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 से 14 मई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा की संभावना है, साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

## मध्य भारत:

- ❖ छत्तीसगढ़ में 13 से 16 मई के दौरान गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

## दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 12 मई को तेलंगाना में, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, लक्षद्वीप में 12 और 13 मई को, केरल और माहे में, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, आंतरिक कर्नाटक में 12 से 16 मई के दौरान, और रायलसीमा में 14 से 15 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा) चलने की संभावना है। तटीय कर्नाटक में 12 से 16 मई के दौरान गरज और बिजली गिरने की भी संभावना है।
- ❖ 12, 14 और 15 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 12 से 15 मई के दौरान केरल और माहे में, और 15 और 16 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।
- ❖ 14 और 15 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, और 15 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

## अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 12 से 18 मई के दौरान राजस्थान को छोड़कर उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 4-6°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ 12 से 18 मई के दौरान मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है।
- ❖ 16 मई तक पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है और 17 और 18 मई को कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 14 मई तक गुजरात में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है और 15 से 18 मई के दौरान 2-4°C की क्रमिक गिरावट होगी।

- ❖ 15 मई तक महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में 2-3°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, इसके बाद 16 से 18 मई के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 18 मई 2026 तक देश के शेष हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है।

#### ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ 12 से 16 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कुछ स्थानों पर ऊष्ण लहर चलने की संभावना है, जिनमें से कुछ इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी; 17 और 18 मई को भी भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति रहेगी।
- ❖ 12 से 18 मई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में, विदर्भ में, कोंकण और गोवा में 12 मई को, मध्य महाराष्ट्र और गुजरात में 12 से 14 मई के दौरान और मराठवाड़ा में 12 से 15 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में 12 से 18 मई के दौरान गर्म रातें रहने की संभावना है, और 15 और 16 मई को कुछ इलाकों में भीषण गर्म रातें हो सकती हैं।
- ❖ पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में 12 से 15 मई के दौरान गर्म रातें रहने की संभावना है।
- ❖ 12 और 13 मई 2026 को तटीय कर्नाटक के कुछ अलग-अलग इलाकों में गर्म और आर्द्र मौसम रहने की प्रबल संभावना है।

#### मछुआरों के लिए चेतावनी:

**मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:**

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 12 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग और उससे सटे दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, श्रीलंका तट के साथ और उससे दूर, तथा मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र के आस-पास के भागों में; 13 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग और उससे सटे, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ भागों, दक्षिण तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के साथ और उससे दूर, तथा मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र में; 14 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग और उससे सटे दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के भागों, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के साथ और उससे दूर, तथा मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र और अंडमान सागर में; 15 मई को दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग और उससे सटे दक्षिण-पूर्व और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के भागों, तमिलनाडु और श्रीलंका के तटों के साथ और उससे दूर, तथा मन्नार की खाड़ी, कोमोरिन क्षेत्र और अंडमान सागर में। 16 मई को अंडमान सागर के ऊपर क्षेत्रों में न जाएं।
- ❖ अरब सागर: कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

**दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 12 से 15 मई 2026 (अनुलग्नक III देखें)**

**अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:**

[https://mausam.imd.gov.in/responsive/all\\_india\\_forecast\\_bulletin.php](https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php)

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

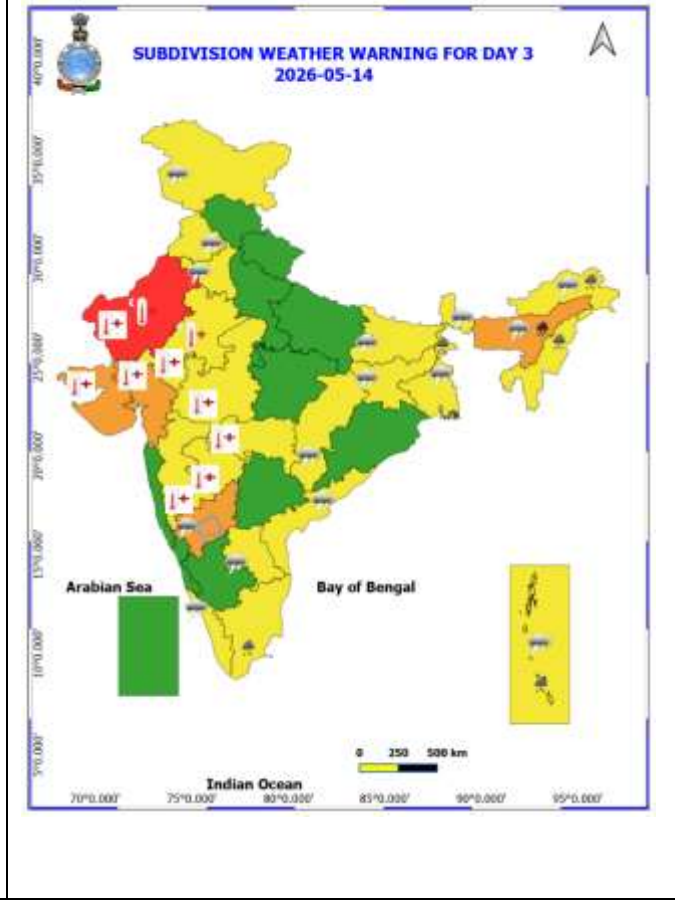
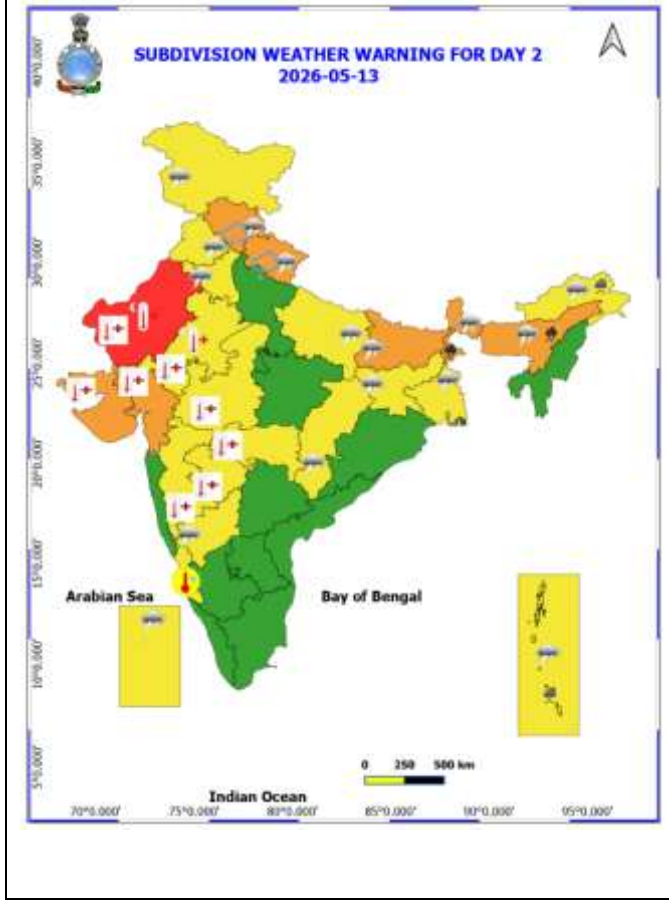
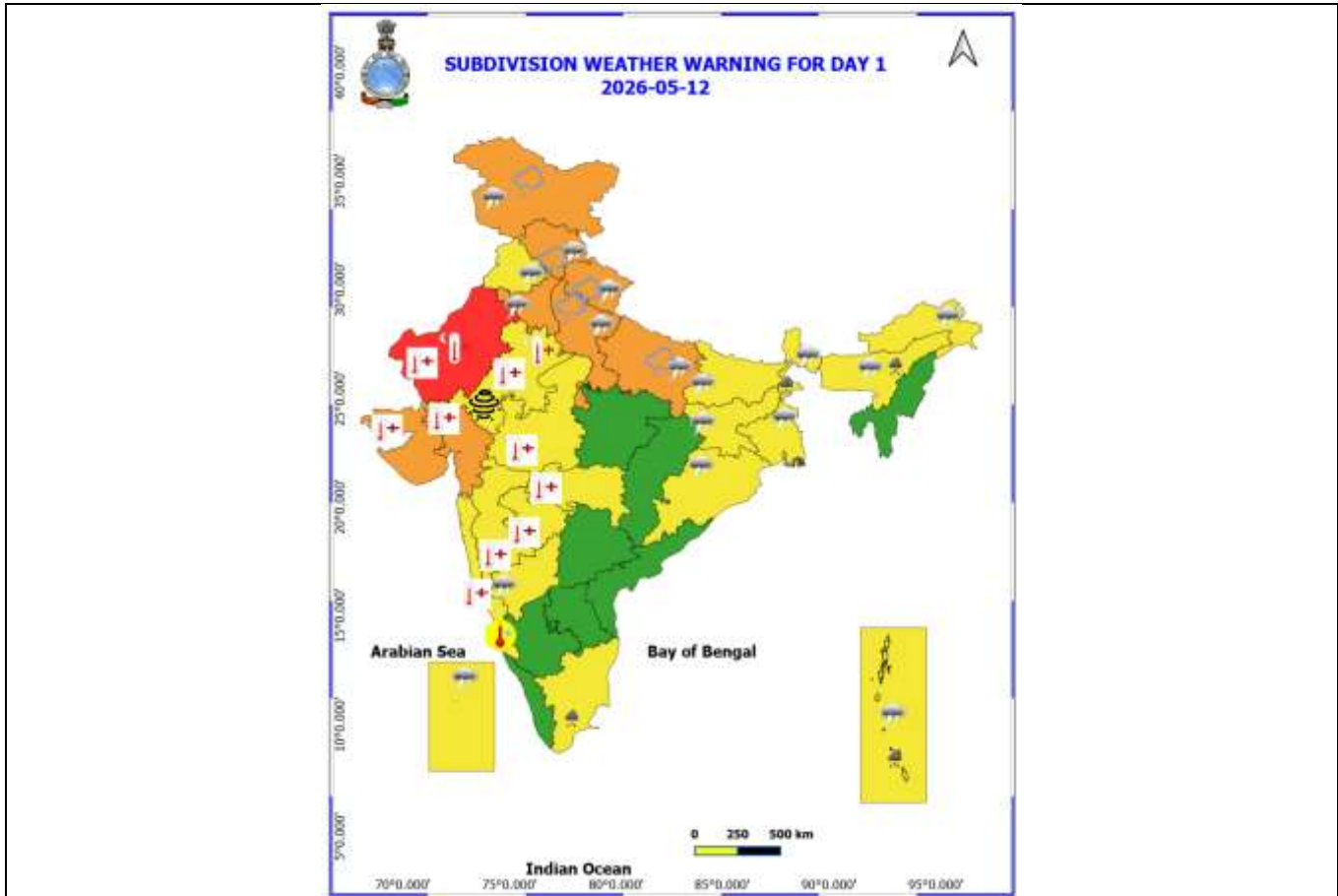
- ❖ असम और मेघालय: हजुआ (जिला बारपेटा) 9;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: वाशाबारी चाय बागान (जिला जलपाईगुड़ी) 7.

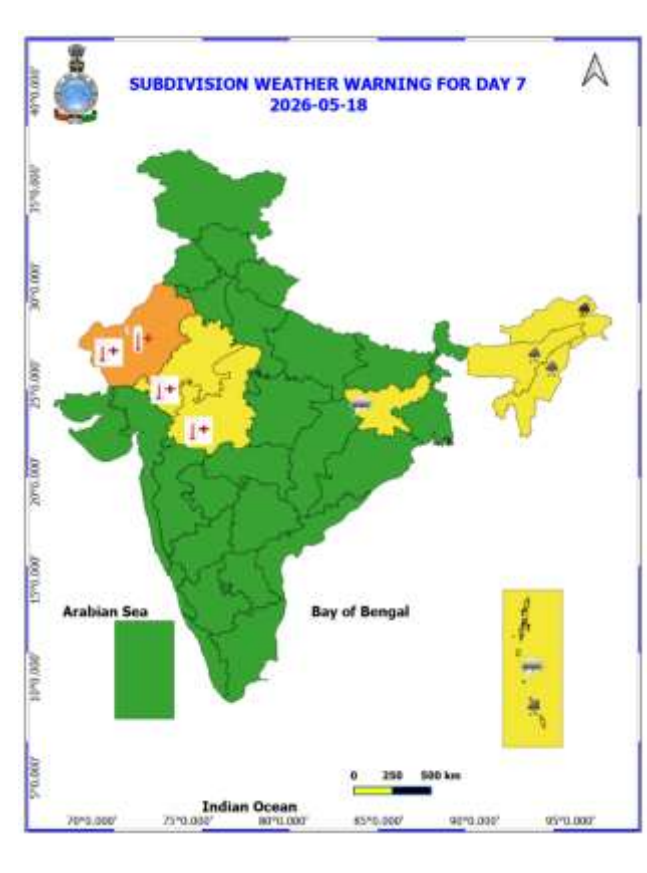
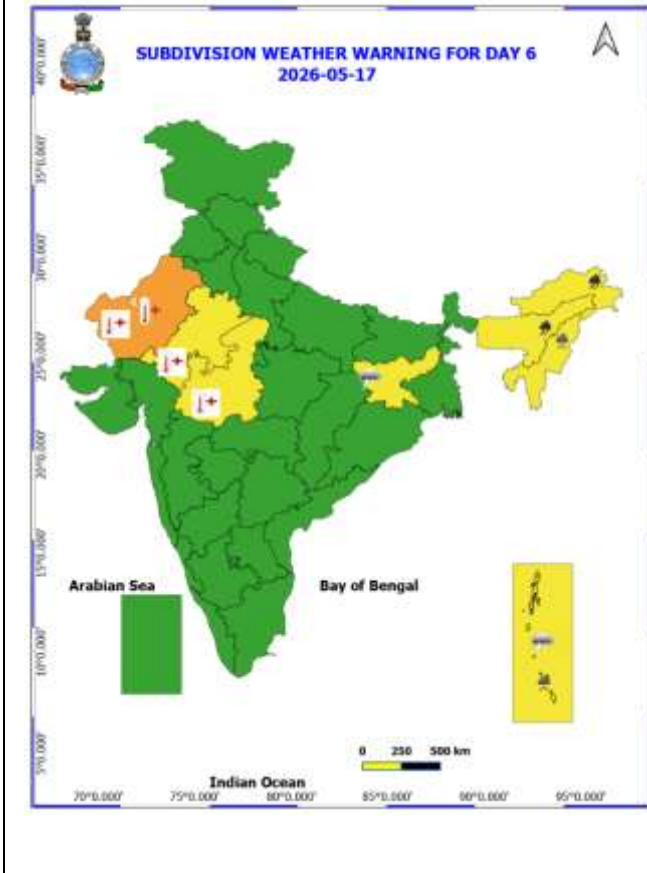
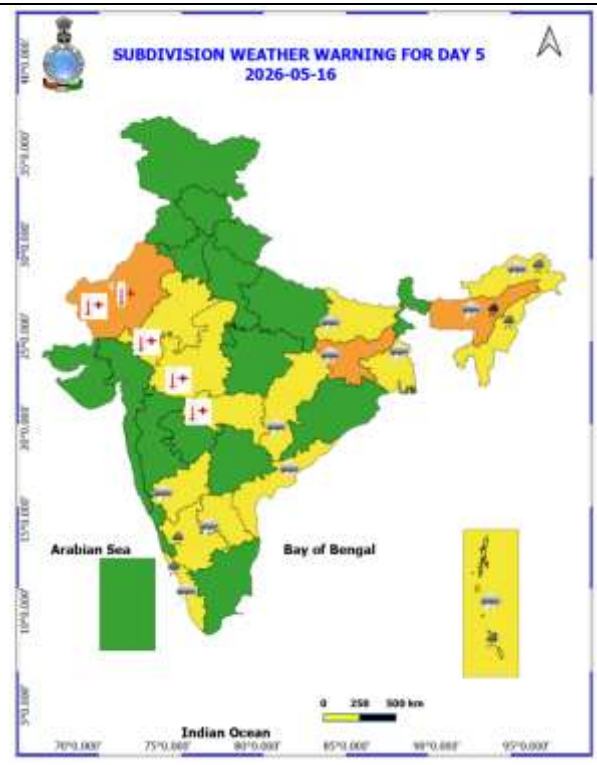
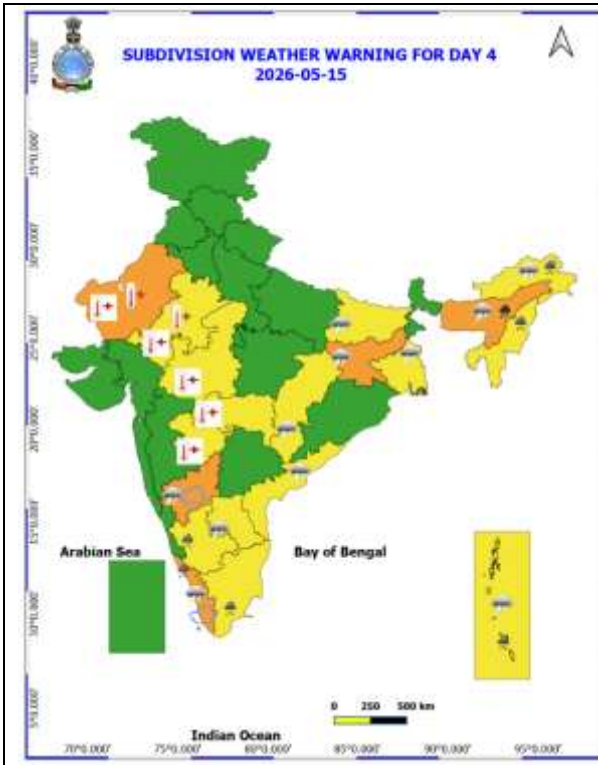
कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक (भारतीय समयानुसार) तेज हवाएं (किमी प्रति घंटा में):

- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: भचाऊ 50;
- ❖ असम: धुबरी 50
- ❖ पंजाब: फरीदकोट 48; बठिंडा 41; पटियाला 39; संगरूर, फाजिल्का और पठानकोट 35;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर 46, सागर 35;
- ❖ बिहार: राजगीर 43;
- ❖ कोंकण: कर्जत (रायगढ़) 43, दापोली (रत्नागिरी) 31;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मुजफ्फरनगर 41, शामली 31;
- ❖ उत्तराखंड: रानीचौरी 39, चंपावत 37;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: विल्होली (नासिक) 39, कलवान (नासिक) 39, तलेगांव (पुणे) 37;
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: वोखा 39
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: आगरमालवा 37, सागर 35, बैतूल, अशोकनगर, सीहोरमंदसौर, बड़वानी 30;
- ❖ हरियाणा: सिरसा और करनाल 33 प्रत्येक;
- ❖ मराठावाड़ा: अम्बेजोगाई (बीड) 33, हिंगोली 28;
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरिया 33;
- ❖ विदर्भ: बुलढाणा 33;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: दिरांग 33
- ❖ गुजरात क्षेत्र: आनंद 31;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 30.

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	12- May	13- May	14- May	15- May	16- May	17- May	18- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

## 12 मई से 15 मई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR के लिए मौसम का पूर्वानुमान

### पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान लगभग 37°C रहा, और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25-28°C की सीमा में रहा। दिल्ली में कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) है और बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) है। दिल्ली में कुछ जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा और बाकी जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा और सतह पर हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 kmph तक रही। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा, और सतह पर हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 24 kmph तक रहने की संभावना है।

### मौसम का पूर्वानुमान:

12.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला हो जाएगा। दोपहर/शाम के समय गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (गति 40-50 kmph, झोंकों के साथ 60 kmph तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37°C से 39°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 25 kmph तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर 15 kmph तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

13.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा। सुबह के समय गरज/बिजली और तेज़ हवाओं (गति 30-40 kmph, झोंकों के साथ 50 kmph तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 kmph से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम हो जाएगी, और दक्षिण दिशा से 15 kmph तक पहुँच जाएगी।

14.05.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.0°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम हो जाएगी, और उत्तर-पूर्व दिशा से 10 kmph तक पहुँच जाएगी।

15.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.5°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.5°C से -3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से आने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय सतह पर हवा की गति उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 kmph तक रहेगी। शाम और रात के समय सतह पर हवा की गति कम हो जाएगी और उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 kmph से भी कम हो जाएगी।

## बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं के साथ तूफ़ान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएँ, हालाँकि तूफ़ान/बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (गति 30-50 kmph) की संभावना है, जो तूफ़ान के दौरान अस्थायी रूप से 60 kmph तक पहुँच सकती है, और सतह पर धूल भरी हवाएँ चल सकती हैं।
- पेड़ों की डालियाँ टूट सकती हैं, सड़क किनारे लगे बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं, पेड़ों से सूखी डालियाँ गिर सकती हैं, खड़ी फ़सलों को नुकसान पहुँच सकता है, डालियाँ टूटने के कारण बिजली और संचार लाइनों को हल्का या ज़्यादा नुकसान पहुँच सकता है, तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान पहुँच सकता है, और हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें ताकि स्थिति बिगड़ने पर वे सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें; घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें, और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें; सुरक्षित जगहों पर पनाह लें; पेड़ों के नीचे पनाह न लें, कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों के सहारे न खड़े हों; बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्लग निकाल दें; पानी वाली जगहों से तुरंत बाहर निकल आएँ; और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।

## छिटपुट आंधी-तूफ़ान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 12 मई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तर प्रदेश में, 12 और 13 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में, 14 और 15 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, तथा 15 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 12 और 13 मई को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में, 12 मई को हरियाणा और चंडीगढ़ में, 13 मई को बिहार में, और 15 और 16 मई को झारखंड में आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और झोंके 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है।

### संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

### सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

## भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 13 से 18 तारीख के बीच, असम में 12 से 18 तारीख के बीच, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 14 से 17 तारीख के बीच; अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 12 से 18 तारीख के बीच और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 12 से 14 तारीख के बीच; तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 12, 14 और 15 तारीख को, केरल और माहे में 12 से 15 तारीख के बीच; दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 15 और 16 मई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ ही, असम और मेघालय में 13 से 17 तारीख के बीच, अरुणाचल प्रदेश में 17 और 18 तारीख को; तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 13 मई को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

### संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

### सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

## ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 12 से 16 मई के दौरान कुछ जगहों पर लू और कुछ अलग-अलग इलाकों में भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है; पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 से 18 मई के दौरान; विदर्भ में 12 से 16 मई के दौरान; कोंकण और गोवा में 12 मई को; मध्य महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में 12 से 14 मई के दौरान; और मराठवाड़ा में 12 से 15 मई के दौरान ऊष्ण लहर चलने की संभावना है। इसके अलावा, पश्चिमी राजस्थान के कुछ अलग-अलग इलाकों में 17 और 18 मई को भीषण ऊष्ण लहर चलने की संभावना है।

### चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।

- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

### ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि मौसम विभाग की सलाह

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेल्नेट या हेल्कैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

### भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागों के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम में, फसल के खेतों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। पकी हुई फसलों की कटाई को प्राथमिकता दें और उपज को किसी सूखी और ढकी हुई जगह (गोदाम) पर सुरक्षित रख दें। लंबी फसलों (जैसे केला या गन्ना) और छोटे पौधों को बांस की डंडियों या खंभों से सहारा प्रदान करें।
- मेघालय में, मक्का, अदरक, सब्जियों और फलों के बागानों में जल जमाव से बचने हेतु अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी करें। फसलों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें बांस या अन्य सहारे (स्टेकिंग) से बांधें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और लाल मिर्च के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। टमाटर और लाल मिर्च के पौधों को सहारा प्रदान करें। परिपक्व फसलों की कटाई जल्द से जल्द करें और उन्हें सुरक्षित, सूखे स्थानों पर रखें। नर्सरी एवं नए पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए आवरण का उपयोग करें।
- अंडमान और निकोबार में नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें और क्यारियों के आसपास पानी जमा होने से रोकथाम करें।
- केरल में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।

### उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- राजस्थान में मूंग, लौकी, कद्दू, लौकी, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- गुजरात में सुबह या शाम के समय ग्वार, मूंगफली, मूंग, उड़द तथा खीरा, तुरई, लौकी, नेनुआ और करेला जैसी सब्जियों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली की फसल में फूल आने तथा पेगिंग अवस्था पर सिंचाई करें। सौराष्ट्र और कच्छ में शुष्क मौसम के दौरान आम के बागों में उचित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें। अधिक तापमान के कारण सब्जी फसलों में बार-बार सिंचाई करें, नर्सरी एवं युवा पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए 50%-75% हरे शेड नेट का उपयोग करें तथा सब्जियों की तुड़ाई सुबह या शाम के समय करें।
- महाराष्ट्र में सुबह या शाम के समय सब्जियों और बागों में हल्की एवं बार-बार सिंचाई करें तथा फसलों की संवेदनशील अवस्थाओं में सिंचाई की आवृत्ति बढ़ाएं। कोंकण क्षेत्र में चीकू बागानों में 4-5 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें। नवरोपित बागों को गर्मी के तनाव से बचाने के लिए शेड नेट या ताड़ के पत्तों से अस्थायी छाया प्रदान करें। आम में स्पंजी ऊतक की समस्या

से बचाव हेतु फलों की तुड़ाई सुबह जल्दी या देर शाम करें। **मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा में** गन्ना, ग्रीष्मकालीन मूंगफली, सब्जियों और बागों में आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें; सब्जियों और बागों में जैविक या भूसे की मल्लिचिंग करें; केले के घोंद को पत्तियों से ढकें; तथा नवरोपित केले के बागानों में शेड नेट का उपयोग करें।

### तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

### पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

### किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

**भारी बारिश:** 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

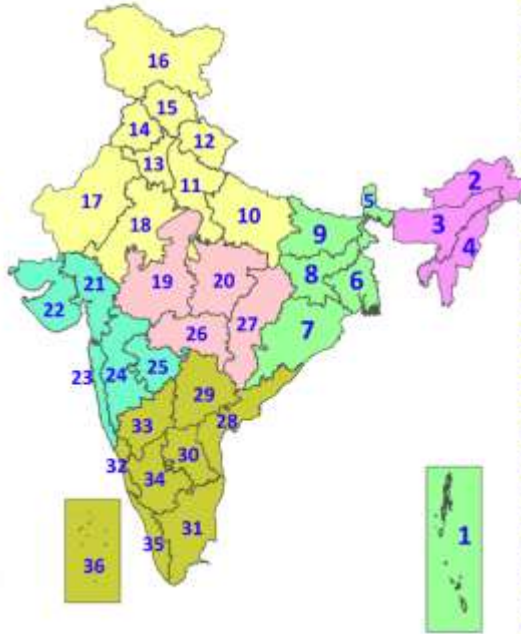
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला: NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

### मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यन्नम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

## LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

## SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- |                      |                      |              |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog                  | Heavy Snow           | Cold Wave    |
| Heavy Rain           | Dust Storm           | Cold Day     |
| Very Heavy Rain      | Heat Wave            | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night           |              |
| Thunder & Lightning  | Hot Day              |              |
| Hailstorm            | Hot & Humid          |              |
| Dust Raising Winds   | Strong Surface Winds |              |

### COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

### Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

### DEFINITION/CRITERIA

**Rain/ Snow \***

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm \*  
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm\*  
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm \*

**Heat Wave**

When maximum temperature of a station reaches  $\geq 40^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\geq 30^{\circ}\text{C}$  for hilly regions  
(a) Based on Departure from normal  
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .  
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal  $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$   
(b). Based on Actual maximum temperature  
Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 45^{\circ}\text{C}$ .  
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature  $\geq 47^{\circ}\text{C}$   
(c). Criteria for heat wave for coastal stations  
When maximum temperature departure is  $> 4.5^{\circ}\text{C}$  from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature  $\geq 37^{\circ}\text{C}$

**Warm Night**

When maximum temperature remains  $40^{\circ}\text{C}$   
Warm Night: When minimum temperature departure  $4.5^{\circ}\text{C}$  to  $6.4^{\circ}\text{C}$ .  
Severe Warm Night: When minimum temperature departure  $> 6.4^{\circ}\text{C}$ .

**Cold Wave**

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions.  
(a). Based on departure  
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .  
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$   
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)  
Cold Wave : When Minimum Temperature is  $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$   
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is  $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$   
(c) For Coastal Stations  
When Minimum Temperature departure is  $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$  & actual Minimum Temperature is  $\leq 15^{\circ}\text{C}$

**Cold Day**

When minimum temperature of a station  $\leq 10^{\circ}\text{C}$  for plains and  $\leq 0^{\circ}\text{C}$  for hilly regions  
Based on departure  
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $-4.5^{\circ}\text{C}$  to  $-6.4^{\circ}\text{C}$ .  
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal  $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

**Fog**

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility  $< 1\text{km}$   
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres  
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres  
Very Dense Fog: when the visibility  $< 50$  metres

**Thunderstorm**

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

**Dust/Sand Storm**

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

**Frost**

Ice deposits on ground  
Air temperature  $\leq 4^{\circ}\text{C}$  ( over Plains)

**Squall**

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.  
Moderate: Wind speed 52-61 kmph  
Severe: Wind speed 62-87 kmph  
Very Severe: Wind speed  $> 87$  kmph

**Sea State**

Effect of various waves in the sea over specific area  
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre  
High to very high: Wind speed 63-117 kmph ( 34-63 knots) & Wave height 6-14 metre  
Phenomenal: Wind speed  $> 117$  kmph ( $> 63$  knots) & Wave height  $> 14$  metre

**Cyclone**

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)  
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)  
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)  
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)  
Super Cyclone Storm: Wind speed  $> 220$  kmph ( $> 119$  knots)

\* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".  
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.  
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599  
(Service to the Nation since 1875)